UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M.A. Rajasthani Language,
Literature & Culture

Semester Scheme

I & II Semester	**2018-2019**
III & IV Semester	**2019-20**

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

M.A. : RAJASTHANI LANGUAGE, LITERATURE AND CULTURE

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

1. **M.A. : Rajasthani Language, Literature and Culture** is a unique composite P.G. course introduced under the Faculty of Social Sci[illegible] and being run by the Centre for Rajasthan Studies. The purpose of [illegible] course is two fold – firstly, to acquaint the students with myriad facets [illegible] the history and culture of Rajasthan; and secondly, to get them we[illegible] versed in Rajasthani language and its rich literature. In other way, this course offers a great opportunity to develop an overall knowledge of history, society, culture, language, literature and other aspects of Rajasthan and enables the students to be well-versed in Rajasthan Studies which has become an essential component of competitive exams conducted by RPSC.
2. M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture is an SFS course which is run exclusively for the regular students of the university.
4. The Self Financing Course of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture is run as per the prevailing norms, regulations and fee structure of SFS courses in the University of Rajasthan, Jaipur. The annual course fee for the students of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture was Rs. 13500 in the session 2017-18 which is being hiked by 10% from the session 2016-17 as per the revised fee structure of the university.
5. The eligibility and rules for admission in M.A. Rajasthani Language, Literature and Culture are as per the rules and regulations for admission in other courses of M.A. in Faculty of Social Science in the University of Rajasthan.
6. The Centre for Rajasthan Studies offers 60 seats for admission to M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture under SFS.
6. The examination for the degree of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture will be based on Semester Examination as per the scheme prevailing in the university for PG courses in the Faculty of Social Science.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के लिये चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत कुल 24 प्रश्नपत्र होंगे। प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र (तीन अनिवार्य एवं तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र) होंगे।

प्रश्नपत्रों के उत्तर का माध्यम परीक्षार्थी के विकल्प के अनुसार राजस्थानी या हिन्दी या अंग्रेजी होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा, इस प्रकार चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत होने वाले 24 प्रश्नपत्र कुल 144 क्रेडिट के होंगे एवं परीक्षार्थी के लिए 120 क्रेडिट हासिल करना अनिवार्य होगा।

प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

अथवा

प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की उपाधि के लिये सेमेस्टर परीक्षा की प्रश्नपत्र योजना एवं पाठ्यक्रम विवरण निम्नलिखित है :–

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

प्रथम सेमेस्टर परीक्षा

प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

First Semester (Withour Laboratry Work)

S. No.	Paper	Subject Code	Course Tilte	Course Category	Credit
1.	Paper I	RAJ 701	राजस्थानी भाषा	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 702	राजस्थानी साहित्य का इतिहास	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 703	प्राचीन राजस्थान का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)	CCC	6
4.	Paper IV, V & VI (any three)	RAJ A01	राजस्थान की स्थापत्य कला	ECC	6
5.		RAJ A02	राजस्थान की चित्रकला।	ECC	6
6.		RAJ A03	राजस्थानी लोकसाहित्य	ECC	6
7.		RAJ A04	राजस्थानी व्याकरण	ECC	6

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र I	RAJ 701	राजस्थानी भाषा
प्रश्नपत्र II	RAJ 702	राजस्थानी साहित्य का इतिहास
प्रश्नपत्र III	RAJ 703	प्राचीन राजस्थान का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : निम्नलिखित में से कोई तीन –

प्रश्नपत्र IV,V एवं VI	RAJ A01	राजस्थान की स्थापत्य कला
	RAJ A02	राजस्थान की चित्रकला
	RAJ A03	राजस्थानी लोकसाहित्य
	RAJ A04	**राजस्थानी व्याकरण**

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

<u>प्रथम सेमेस्टर परीक्षा</u>

प्रश्नपत्र I : RAJ 701 राजस्थानी भाषा

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | **पूर्णांक : 100** | **क्रेडिट : 6**

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप (मानक भाषा, बोली उपबोली आदि), लिपि और भाषा का सम्बन्ध, प्रमुख लिपियाँ। राजस्थानी भाषा के प्रमुख विद्वान एवं उनके कार्य – जार्ज ग्रियर्सन, सीताराम लालस, नरोत्तमदास स्वामी, सुनीति कुमार चटर्जी, एल.पी. तेस्सीतोरी।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी भाषा : उद्‌भव एवं विकास, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं। भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का स्थान एवं महत्व। राजस्थानी बोलियों की आंतरिक एकरूपता।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी की प्रमुख बोलियां एवं उपबोलियां, राजस्थानी से अभिप्राय एवं क्षेत्र, राजस्थानी की व्याकरणिक विशेषताएं एवं प्रयोग।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका।
2. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : राजस्थानी भाषा शास्त्र, जयपुर।
4. एल. पी. टेसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
5. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
8. महावीर प्रसाद शर्मा : मेवाती का उद्‌भव और विकास।
9. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
10. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : भाषा और समीक्षा।
11. डॉ. हीरालाल महेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
12. कैलाशचन्द्र अग्रवाल : शेखावाटी बोली का वर्णात्मक अध्ययन।
13. प्रहलाद चन्द जोशी : मालवी और उपबोलियों का व्याकरण।
14. कन्हैया लाल शर्मा : ढूंढाड़ी बोली और साहित्य।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

प्रश्नपत्र II : RAJ 702 राजस्थानी साहित्य का इतिहास

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पांच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे. सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे. प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे. इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देते) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी साहित्य का आधुनिक काल : प्रमुख प्रवृत्तिया, काव्य धाराएं, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
2. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
3. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास
4. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
5. नरोत्तमदास स्वामी : राजस्थानी भाषा – एक परिचय
6. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी साहित्य की रूपरेखा।
7. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थान का पिंगल साहित्य।
8. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
9. डॉ. गोवर्द्धन शर्मा : डिंगल साहित्य
10. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल।
11. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य, कलकत्ता।
12. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, दिल्ली।
13. डॉ. अगरचन्द नाहटा : राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III : RAJ 703 प्राचीन राजस्थान का इतिहास
(आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | **पूर्णांक : 100** | **क्रेडिट : 6**

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान की भौगोलिक विशेषताएँ। प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ – पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण काल। ताम्रपाषाणिक एवं ताम्रयुगीन सभ्यताएँ (आहाड़, गणेश्वर)। वैदिक सरस्वती नदी, कालीबंगा।

इकाई – द्वितीय

मत्स्य जनपद। राजस्थान की गणतांत्रिक जातियाँ, मालवों के विशेष संदर्भ में। राजपूतों की उत्पत्ति।

इकाई – तृतीय

गुर्जर–प्रतिहारों का उदय एवं विस्तार। चाहमान साम्राज्य। राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन (ईस्वी 700 से 1200)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
3. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान के इतिहास के स्रोत, भाग 1, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. विशुद्धानन्द पाठक : उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5. डी.सी. शुक्ला : अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली, 1978.
6. दशरथ शर्मा : राजस्थान थ्रू दि एजेज, भाग 1, बीकानेर, 1966

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A01 राजस्थान की स्थापत्य कला

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे **पूर्णांक : 100** **क्रेडिट : 6**

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

मंदिर स्थापत्य : ओसियां, देलवाड़ा, रणकपुर, आम्बेर (जगत शिरोमणि)। राजप्रासाद स्थापत्यः मेहरानगढ़, डीग।

इकाई – द्वितीय

दुर्ग स्थापत्य : चित्तौड, रणथंभौर, कुंभलगढ़, जालौर। हवेली स्थापत्य : जैसलमेर, शेखावाटी।

इकाई – तृतीय

छतरियाँ (मंडोर, गेटोर), मकबरे। बांध (राजसमंद)। सरोवरों एवं बावडियों का स्थापत्य। मस्जिदों का स्थापत्य। नगर–योजना एवं गृह–स्थापत्य (जयपुर)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
2. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. राघवेन्द्र सिंह मनोहर : राजस्थान के प्रमुख दुर्ग, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. वाई.डी. सिंह : राजस्थान के कुएँ एवं बावडियाँ।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A02 राजस्थान की चित्रकला

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पॉच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पॉच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा

इकाई – प्रथम

चित्रकला का परिचय, राजस्थानी चित्रकला का उद्भव एवं विकास, चित्रकला की प्रमुख शैलियां – मेवाड़, ढूँढाड़, किशनगढ़, बूंदी आदि। राजस्थानी चित्रकला की विशेषताएं।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी लोक चित्रकला – विकास एवं स्वरूप – भित्तिचित्र, मॉडने, गोदना, फड़, पिछवाई, सांझी आदि। लोक चित्रकला की मान्यताएं एवं विशेषताएं। राजस्थान की लोक चित्रकला को प्रोत्साहन एवं संरक्षण।

इकाई – तृतीय

प्राचीन राजस्थान में चित्रकला। मध्यकाल में राजस्थान में चित्रकला – विकास एवं विशेषताएं। लोक चित्रकला में रंग संयोजन एवं विषय। आधुनिक चित्रकला का स्वरूप एवं विशेषताए। राजस्थान के प्रमुख आधुनिक चित्रकार एवं चित्रकला के विकास में योगदान।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज : राजस्थानी चित्रकला, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. नीलिमा वशिष्ठ : राजस्थान की मूर्तिकला परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. रीता प्रताप : भारतीय चित्र कला एवं मूर्तिकला का इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. धर्मवीर वशिष्ठ : मारवाड़ की चित्रांकन परम्परा एवं चित्रकार, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
5. वन्दना जोशी : नाथद्वारा चित्र शैली, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (सं.) : राजस्थान वैभव, भारतीय संस्कृति एव सवर्धन परिषद, नई दिल्ली।

Dy. Regis[illegible]

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A03 राजस्थानी लोकसाहित्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोडकर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देते) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

लोक साहित्य : सामान्य सिद्धान्त, परिभाषा, अर्थ, लोक–तत्व, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी लोकगीत एवं राजस्थानी लोककथाएँ: अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ, राजस्थानी लोकोक्ति, मुहावरे एवं पहेलियां।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. सोहनदान चारण : राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन
2. डॉ. महेन्द्र भानावत : लोकरंग
3. डॉ. महेन्द्र भानावत : राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां
4. डॉ. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान
5. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक साहित्य की भूमिका
6. श्याम परमार : भारतीय लोक वांङ्गमय
7. श्याम परमार : लोकधर्मी नाट्य परम्परा
8. वासुदेव शरण अग्रवाल : लोक धर्म
9. मन्मथनाथ गुप्त : लोकोत्साव
10. श्री कृष्णदास : लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
11. झवेरचन्द मेघानी : लोक साहित्य (व्याख्यान)
12. सूर्यकरण पारीक : राजस्थानी लोक गीत
13. मानूराम संस्कर्ता : राजस्थान का लोक–साहित्य
14. डॉ. कृष्णकुमार शर्मा : राजस्थानी लोकभाषाओं के कुछ रूढ तत्व
15. लक्ष्मीलाल जोशी : मेवाड़ की कहावतें
16. डॉ. कन्हैयालाल सहल : राजस्थानी कहावतें – एक अध्ययन
17. चन्द्रदान चारण : गोगाजी चोहान की राजस्थानी गाथा
18. डॉ. मनोहर शर्मा : राजस्थानी साहित्य और संस्कृति
19. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
20. [illegible] कुमारी चूंडावत (सम्पा.) : [illegible] देवनारायण [illegible]
21. [illegible]

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A04 राजस्थानी व्याकरण

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई प्रथम

व्याकरण : अर्थ एवं प्रयोग। व्याकरण की आवश्यकता। व्याकरण एवं भाषाशास्त्र का संबंध। व्याकरण की भारतीय पंरपरा। राजस्थानी व्याकरण की परंपरा। राजस्थानी के प्रमुख व्याकरण लेखक – सीताराम लालस, नरोत्तमदास स्वामी, कालीचरण बहल, गोविन्द शंकर शर्मा।

इकाई द्वितीय

राजस्थानी की ध्वनियां। ध्वनियों का वर्गीकरण। राजस्थानी के स्वर एवं व्यंजन –महाप्राण–अल्पप्राण, सघोष–अघोष। राजस्थानी विशिष्ट ध्वनि – ळ। राजस्थानी में न एवं ण का प्रयोग।

इकाई तृतीय

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया, मूल एवं तिर्यक, अव्ययों के एक वचन एवं बहुवचन, पुल्लिंग–स्त्रीलिंग रूप और निर्माण की प्रक्रिया। परसर्गों एवं अव्ययों का विवरण।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रो. रामाश्रय मिश्र एवं डॉ. नरेश मिश्र : भाषा और भाषा विज्ञान, उन्मेश प्रकाशन, करनाल, हरियाणा।
2. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
4. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : राजस्थानी भाषा शास्त्र, जयपुर
5. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
9. नरोत्तमदास स्वामी : राजस्थानी व्याकरण।
10. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा

द्वितीय सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Tilte	Course Category	Credit
1.	Paper I	RAJ 801	प्राचीन राजस्थानी साहित्य	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 802	मध्यकालीन राजस्थान (1200–1761 ईस्वी)	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 803	राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्परा	CCC	6
4.	Paper IV, V, VI, VII (any three)	RAJ B 01	राजस्थान की लोक परम्परा एवं संस्कृति	ECC	6
5.		RAJ B 02	चारण साहित्य	ECC	6
6.		RAJ B 03	राजस्थान के जनजातीय आंदोलन	ECC	6
7.		RAJ B 04	राजस्थानी का जैन साहित्य	ECC	6

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा

अनिवार्य

प्रश्नपत्र I : RAJ 801 प्राचीन राजस्थानी साहित्य

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न मे 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

ढोला मारू रा दूहा : सम्पादक – रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी। (प्रथम 50 छंद)

इकाई – द्वितीय

अचलदास खींची री वचनिका : सं. भूपतिराम साकरिया। (प्रारम्भ से दूहा "हइवर गइवर............गंजणहार" तक वात सहित)

इकाई – तृतीय

बीसलदेव रास – सं. माता प्रसाद गुप्त, (छंद संख्या 51 से 100 तक)

पाठ्य–पुस्तकें :

1. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक और नरोतमदास स्वामी (सम्पा.) : ढोला मारू रा दूहा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. अचलदास खींची री वचनिका : सं. भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. बीसलदेव रासो – सं. डॉ. माताप्रसाद गुप्त, श्री अगरचंद नाहटा, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. शान्ता भानावत : ढोला मारू रा दूहा का अर्थ और वैज्ञानिक अध्ययन, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
2. डॉ. भगवतीलाल शर्मा : ढोला मारू रा दूहा में काव्य, संस्कृति और इतिहास
3. अगरचन्द नाहटा : प्राचीन काव्यों की रूप–परम्परा, भारतीय विद्या मन्दिर, शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. मुकुन्दनारायण पुरोहित -- वचनिका अचलदास खींची री (अन्वेषण एवं मूल्यांकन) राजस्थान एज्युकेशनल स्टोर बीकानेर
5. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी : [illegible]

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

प्रश्नपत्र II : RAJ 802 मध्यकालीन राजस्थान (1200–1761 ईस्वी)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र मे कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोडकर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे. इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा.

इकाई – प्रथम

तेरहवीं शताब्दी की राजनीतिक स्थितियाँ। तुर्क शासन की स्थापना एवं प्रतिरोध (मेवाड़, रणथभौर, चित्तौड़, जालोर)। राजस्थान का उत्कर्ष काल – महाराणा कुंभा एवं सांगा।

इकाई – द्वितीय

मुगल–राजपूत सम्बन्ध (प्रतिरोध एवं सहयोग)। मेवाड़ का स्वातंत्र्य संघर्ष (महाराणा प्रताप)। मुगल आधिपत्य काल में राजपूत शासकों की उपलब्धियाँ (मारवाड़ आम्बेर, हाड़ौती)। मुगल साम्राज्य की शिथिलता एवं राजपूत राज्यों का मुगल प्रभाव से मुक्त होना।

इकाई – तृतीय

राजपूताना में मराठों के आक्रमण। सवाई जयसिंह की मराठा नीति। राजपूत कालीन प्रशासन, जागीरदारी एवं सामंत प्रथा। आर्थिक जीवन–कृषि, व्यापार–वाणिज्य। सामाजिक जीवन–स्त्रियों की स्थिति। शिक्षा की स्थिति।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
2. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा: राजपूताने का इतिहास (सभी खण्ड, सम्बद्ध अंश)
3. हरबिलास शारदा : महाराणा कुंभा।
4. वीरेन्द्र स्वरूप भटनागर : सवाई जयसिंह, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
5. गोपीनाथ शर्मा : सोश्यल लाईफ इन मेडिवल राजस्थान, जोधपुर।
6. आर.पी. व्यास : महाराणा प्रताप, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III : RAJ 803 राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्पराएँ

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे　　　　पूर्णांक : 100　　　　क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोडकर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा

इकाई – प्रथम

राजस्थान में शैव एवं वैष्णव सप्रंदायों का विकास। बौद्ध धर्म के अवशेष। जैन धर्म का विस्तार एवं प्रभाव। राजस्थान में अन्य संप्रदाय – नाथ संप्रदाय, शाक्त, सौर, लकुलीश।

इकाई – द्वितीय

भक्ति परम्परा। विभिन्न संत – मीरा, दादू, जांभोजी, चरणदास। अन्य संत संप्रदाय। इस्लाम धर्म। सूफी परम्परा। ईसाई धर्म।

इकाई – तृतीय

लोक देवी–देवता। लोक देवता – गोगाजी, तेजाजी, पाबूजी, देवनारायण जी, मल्लीनाथजी, रामदेवजी, हड़बुजी, मांगलिया मेहाजी। लोक देवियाँ – जमवाय माता, बाण माता, आवड़ माता, करणी माता, जीण माता, शीतला माता, आई माता आदि।

संदर्भ ग्रंथ :

1. दिनेश चन्द्र शुक्ल : राजस्थान की भक्ति परम्परा एवं संस्कृति।
2. डॉ. पेमाराम : मध्यकालीन राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, अर्चना प्रकाशन, अजमेर।
3. राम प्रसाद दाधीच : राजस्थान सन्त सम्प्रदाय।
4. हीरालाल माहेश्वरी : संत जाम्भोजी।
5. एस.एन. दुबे (सं) : रिलिजियस मूवमेंट्स इन राजस्थान, राजस्थान अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
6. डी.सी. शुक्ला : सिपिरिच्युअल हेरिटेज ऑफ राजस्थान।
7. जी.एन. शर्मा : सोश्यल लाइफ इन मेडिवल राजस्थान।

Dy. Registrar (Acad.)

प्रश्नपत्र IV, V, VI & VII

वैकल्पिक

प्रश्नपत्र IV : RAJ B01 राजस्थान की लोक परम्परा एवं संस्कृति

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे　　　　पूर्णांक : 100　　　　क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आन्तरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघुत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघुत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द 20X3 = 60) होंगे। इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देते) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान का लोक संगीत। लोक वाद्य। लोक गायन शैली – ख्याल, हेला ख्याल, कन्हैया, पदगायन, चारबैत, मांड गायन, स्वांग। लोक नृत्य।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान की हस्तकलाएँ। स्थानीय उद्योग – मूर्ति निर्माण, वस्त्र उद्योग – कोटा डोरिया, बंधेज, बगरू प्रिंट, सांगानेरी प्रिंट, रत्नाभूषण उद्योग – थेवा कला, कुंदन, जड़ाई। मारवाड़ी समाज एवं शेखावाटी अंचल की उद्यमिता।

इकाई – तृतीय

वेशभूषा। आभूषण। गोरबंद, उत्सव, त्यौहार एवं मेले, जन्म, विवाह, मृत्यु से संबंधित।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. महेन्द्र सिंह नगर : राजस्थान के व्रत एवं उत्सव।
4. मंजुश्री क्षीरसागर : राजस्थान की संगीत परम्परा, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाशन, जोधपुर।
5. रमेश बोराणा : राजस्थान के लोक वाद्य।
6. कमलेश माथुर : हस्तशिल्प कला के विविध आयाम, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
7. लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत : राजस्थान के सांस्कृतिक लोकगीत।
8. लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत एवं रमेश चन्द्र स्वर्णकार : राजस्थान के रीति-रिवाज, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर।
9. प्रीतिप्रभा गोयल : राजस्थान के व्रत एवं त्यौहार।
10. रामप्रसाद दाधीच : लोक संस्कृति व अन्य निबन्ध।
11. [illegible]
12. [illegible]

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर परीक्षा

तृतीय सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Tilte	Course Category	Credit
			अनिवार्य		
1.	Paper I	RAJ 901	आधुनिक राजस्थान (1761–1956 ईस्वी) (अनि.)	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 902	मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 903	राजस्थानी साहित्य में स्वाधीनता आंदोलन	CCC	6
			वैकल्पिक		
4.	Paper IV, V, VI & VII (any three)	RAJ C 01	विशिष्ट कवि : मीरां	ECC	6
5.		RAJ C 02	विशिष्ट कवि : बारहठ ईसरदास	ECC	6
6.		RAJ C 03	राजस्थानी संत साहित्य	ECC	6
7.		RAJ C 04	राजस्थान के जनआन्दोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम	ECC	6

Dy. Registrar
(Acad...)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र II RAJ . 902 : मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

वेलि क्रिसन रूक्मणी री (संपादक – नरोत्तम स्वामी) (100 से 120 तक), वेलि क्रिसन रूक्मणी री, सं. नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

इकाई – द्वितीय

विरूद छिहत्तरी : दुरसा आढ़ा (प्रारंभिक 30 छंद), दुरसा आढ़ा ग्रन्थावली, सं. – डॉ. भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

इकाई – तृतीय

राजिया रा दूहा : कृपाराम खिड़िया (प्रारंभिक 30 छंद), राजिया रा दूहा, कृपाराम खिड़िया, संपादक नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

सहायक पुस्तकें :

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, कलकत्ता।
2. हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, कलकत्ता।
3. कृष्ण रुक्मणी री वेलि, सं. आनंद प्रकाश दीक्षित, गोरखपुर।
4. विरुद छिहत्तरी, दुरसा आढ़ा, सं. बख्शी जागीर सिंघवी बछराज, जोधपुर।
5. विरुद छिहत्तरी, दुरसा आढ़ा, श्री प्रताप सभा, उदयपुर।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III RAJ .903 : राजस्थानी साहित्य में स्वाधीनता आंदोलन

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे　　　　पूर्णांक : 100　　　　क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे. सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में स्वाधीनता आंदोलन सम्बन्धी लोक काव्य – गोरा हट जा, झल्लै आउवो, जूंझै आउवो, आउवा रा गदर सम्बन्धी फुटकर दूहा।

इकाई – द्वितीय

बांकीदास – गीत चेतावणी रो, गीत भरतपुर रो, गीत नींबावतां रै महंतरो।
गिरवरदान कविया – आउवा रा गदर सम्बन्धी छप्पय, स्वतन्त्रता सम्बन्धी फुटकर दूहा।
सूर्यमल्ल मीसण।

इकाई – तृतीय

संकरदान सामोर – गीत अंगरेजा री नीत रो, गीत तांतिया टोपे रो।
गणेशलाल व्यास उस्ताद – आ जन कवि की जुग वांणी, साथियां जागण रो दिन आयो।

सहायक पुस्तकें :

1. सभी रचनाएँ स्वतंत्रता आन्दोलन की राजस्थानी प्रेरक रचनाएं, सं. डॉ. नारायणसिंह भाटी, डॉ. हुकमसिंह भाटी, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर में संकलित।
2. आधुनिक राजस्थानी काव्य, सं. रामेश्वरदयाल श्रीमाली, साहित्य अकादमी, दिल्ली।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V & VI

प्रश्नपत्र RAJ C 02 : विशिष्ट कवि : बारहठ ईसरदास

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे　　　　पूर्णांक : 100　　　　क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व।

इकाई – द्वितीय

हालां झालां रा कुण्डलिया (प्रारंभिक 10 छंद), सं. मोतीलाल मेनारिया, हितेषी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।

इकाई – तृतीय

देवियांण (प्रारंभिक 15 छंद), देवियांण, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

सहायक पुस्तकें :

1. महाकवि ईसरदास बारहठ की प्रामाणिक जीवनी, महादानसिंह बारहठ, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. बारहठ ईसरदास, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
3. ईसर बारोट कृत हरिरस ग्रंथ, पींगशी पाताभाई, सं. 1980।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII

प्रश्नपत्र RAJ C 03 : राजस्थानी संत साहित्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घटे **पूर्णांक : 100** **क्रेडिट : 6**

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान के प्रमुख सन्त – सम्प्रदाय; पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख सन्त – सप्रदाय और उनकी परम्पराएँ, विश्नोई, जसनाथी, रामस्नेही, नाथ, आई पंथ : संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख संतों की वाणियाँ और दार्शनिक सिद्धान्त।

इकाई – द्वितीय

पूर्वी राजस्थान के प्रमुख सन्त सम्प्रदाय – दादू पंथ, लालदासी पंथ, चरणदासी सम्प्रदाय : संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख सन्तों की वाणियां और दार्शनिक सिद्धान्त।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी सन्त साहित्य की देन –

समन्वय की उत्कृष्ट साधना – समाज–संस्कृति, धर्म–साधना, दर्शन में सांमजस्य भावना, पर्यावरण संरक्षण, लोक जीवन की अभिव्यक्ति, साहित्यिक तत्व, राजस्थानी भाषा को संतों का योगदान।

सहायक पुस्तकें :

1. उत्तर भारत की सन्त परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
2. सन्त काव्य, परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. सन्त साहित्य के स्रोत, परशुराम चतुर्वेदी, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
4. हिन्दी काव्य में निर्गुण पंथ सम्प्रदाय, डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ।
5. उत्तर भारत के निर्गुण पंथ साहित्य का इतिहास, डॉ. विष्णुदत्त राकेश, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
6. नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, डॉ. वेद प्रकाश जुनेजा, गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर।
7. छया बाई री वाणी : बेलवेडियर प्रेस, इलाहाबाद।
8. रामस्नेही सम्प्रदाय, स्वामी केवलराम, बीकानेर।
9. दादू सम्प्रदाय का इतिहास, स्वामी मंगलदास, जयपुर।
10. श्री जाम्भोजी महाराज का जीवन चरित्र, स्वामी सुर्जनदास, कोलायत।
11. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन, डॉ. पेमाराम, अर्चना प्रकाशन, अजमेर।
12. महाराजा मानसिंह व्यक्तित्व और कृतित्व, रामप्रसाद दाधीच, जोधपुर।
13. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हरीशचन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, रोहतक।
14. जांभोजी, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
15. जांभोजी, विश्नोई सम्प्रदाय और साहित्य (दो भाग) : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, बी. आर. पब्लिकेशन, कलकत्ता।
16. चरणदासी सम्प्रदाय और उसका साहित्य, डॉ. श्यामसुन्दर शुक्ल, वृन्दावन।
17. चरणदास, डॉ. त्रिलोकी नारायण दीक्षित, हिन्दुस्तानी अकेडमी, इलाहाबाद।

Dy. Registrar (Acad.) University of Rajasthan JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII

प्रश्नपत्र RAJ C 04 : राजस्थान के जनआन्दोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों मे विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक / आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

प्रथम भाग

राजस्थान में 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम, प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी एवं प्रमुख स्थल। राजस्थान के स्वतन्त्रता आन्दोलन में जमनालाल बजाज, माणिक्यलाल वर्मा, हरिदेव जोशी।

द्वितीय भाग

राजस्थान में प्रमुख किसान आन्दोलन : बिजौलिया, बेगूं, नीमूचाणा, शेखावाटी, मारवाड़, जयपुर, बूंदी एवं बीकानेर राज्य में किसान आन्दोलन। सत्याग्रह आन्दोलन।

तृतीय भाग

राजस्थान का प्रजामण्डल आन्दोलन, राजस्थान के प्रमुख प्रजामण्डल, मारवाड़ लोकपरिषद्। राजस्थान में असहयोग आन्दोलन। राजस्थान में सविनय अवज्ञा आन्दोलन, राजस्थान में भारत छोड़ो आन्दोलन।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. राजस्थान में स्वतन्त्रता आन्दोलन, बी.एल. पनगडिया, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. बृजकिशोर शर्मा, मास मूवमेन्ट एण्ड फ्रीडम स्ट्रगल इन राजस्थान, बुक ट्रेजर, जोधपुर
3. बृजकिशोर शर्मा, राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आन्दोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. विनीता परिहार, राजस्थान में प्रजामण्डल आन्दोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
5. सुखवीर सिंह गहलोत, फ्रीडम स्ट्रगल इन राजस्थान : सम आसपेक्टस, रिसर्च पब्लिशर्स, जयपुर

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा

चतुर्थ सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Tilte	Course Category	Credi
अनिवार्य					
1.	Paper I	RAJ X01	समसामयिक राजस्थान (1956–2010 ईस्वी)	CCC	6
2.	Paper II	RAJ X02	आधुनिक राजस्थानी काव्य	CCC	6
3.	Paper III	RAJ X03	आधुनिक राजस्थानी गद्य	CCC	6
वैकल्पिक					
4.	Paper IV, V, VI & VII (any three)	RAJ D 01	राजस्थान : पुरातत्व एवं अभिलेख	ECC	6
5.		RAJ D 02	राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन	ECC	6
6.		RAJ D 03	साहित्य शास्त्र	ECC	6
7.		RAJ D 04	राजस्थानी प्रकृति काव्य	ECC	6
8.		RAJ D 05	राजस्थानी नाटक एवं रंगमंच	ECC	6

Dy. Registrar (A
University of Raja
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा

प्रश्नपत्र I RAJ ... X01: समसामयिक राजस्थान (1956–2010 ईस्वी)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे   पूर्णांक : 100   क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे. सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे. प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां – राजस्थानी के प्रमुख समसामयिक साहित्यकार, रूपायन संस्थान (बोरूंदा), लोक कला मण्डल (उदयपुर), जवाहर कला केन्द्र (जयपुर)। राजस्थान की प्रमुख अकादमियां – राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (बीकानेर), राजस्थानी साहित्य अकादमी (उदयपुर), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी (जयपुर), राजस्थान ललित कला अकादमी (जयपुर)। राजस्थान के साहित्यिक पुरस्कार एवं सम्मान।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान में सामाजिक उत्थान के प्रयास : बाल विवाह, कन्या वध, सती प्रथा आदि के विरूद्ध जागृति। प्रमुख एन.जी.ओ. एवं उनकी उपलब्धियाँ। राजस्थान के प्रमुख शिक्षण संस्थान – महाराजा संस्कृत कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय। भारतीय संविधान में राजस्थानी भाषा की मान्यता का प्रश्न एवं इसकी चुनौतियां।

इकाई – तृतीय

स्वतंत्रता के बाद राजस्थान के शहीद। जल संरक्षण आंदोलन। राजस्थान में सूचना का अधिकार एवं प्रगति। राजस्थान की आर्थिक प्रगति की समीक्षा। राजस्थान के मारवाड़ी सेठों का राजस्थान की प्रगति में योगदान। राजस्थान की जनसंख्या, कृषि एवं उद्योग।

संदर्भ ग्रंथ :

विभिन्न पत्र–पत्रिकाएँ, सरकारी प्रतिवेदन आदि।

Dy. Registrar
(Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र II RAJ - X02 : आधुनिक राजस्थानी काव्य

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 100 क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ) होंगे।

इकाई – प्रथम

वीर सतसई – सूर्यमल मिश्रण (प्रारंभिक 30 छंद), पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया व डॉ. कन्हैयालाल सहल (सम्पादक) : वीर सतसई (सूर्यमल्ल मिश्रण), बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकत्ता

इकाई – द्वितीय

राधा : सत्यप्रकाश जोशी, संपूर्ण, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

इकाई – तृतीय

लीलटांस – कन्हैयालाल सेठिया (प्रारंभिक 05 कविताएँ), प्रकाशक – स्व. मुरलीधर सराफ स्मृति ग्रंथ माला, कलकत्ता

एवं

गीत – अम्बर भरग्या बादळा – रघुराजसिंह हाड़ा, आधुनिक राजस्थानी काव्य, सं. रामेश्वरदयाल श्रीमाली, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

सहायक पुस्तकें :

1. महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण स्मृति अंक, सूर्यमल्ल स्मारक समिति, बूंदी परम्परा (त्रै–मासिक पत्रिका), सूर्यमल्ल मिश्रण विशेषांक तथा 'हेमाणी' अंक राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
2. शम्भुसिंह मनोहर : वीर सतसई (सम्पादक), स्टुडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
3. राजस्थान का पिंगल साहित्य, मोतीलाल मेनारिया
4. हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, कलकत्ता
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य, मोतीलाल मेनारिया।
6. राजस्थानी साहित्य : एक परिचय, नरोत्तम स्वामी, बीकानेर।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III RAJ X03 : आधुनिक राजस्थानी गद्य

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 100 क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघुत्तरात्मक (शब्द सीमा 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा 150 शब्द, 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यात्मक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तका से कुल दो व्याख्याएं) होंगे।

इकाई – प्रथम

मेवे रा रूंख – अन्नाराम सुदामा। अन्नाराम सुदामा : मेवे रा रूंख (उपन्यास), धरती प्रकाशन, बीकानेर

इकाई – द्वितीय

अलेखूं हिटलर – विजयदान देथा। विजयदान देथा : अलेखूं हिटलर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रभातियो तारो – नृसिंह राजपुरोहित।

सौदो – सांवर दइया।

गा कठै बांधूं – रामस्वरूप किसान।

बस में रोझ – चन्द्रप्रकाश देवल।

इकाई – तृतीय

मिनख और मानखो : सूर्यशंकर पारीक, राजस्थान लोकसाहित्य में रूंख : नानूराम संस्कृता। राजस्थानी निबन्ध संग्रह, (सं.) डॉ. किरण नाहटा, गजादान चारण, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।

सहायक पुस्तकें :

1. डॉ. किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
2. अगरचन्द नाहटा : राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा – 'जागती जोत' पत्रिका, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
4. राजस्थानी री आधुनिक कहानियां – (सं.) श्याम जांगिड, बोधि प्रकाशन, जयपुर

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 01 : राजस्थान : पुरातत्व एवं अभिलेख

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान के प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक पुरास्थल, उत्तर–पूर्वी राजस्थान की पुराप्रस्तर संस्कृति, राजस्थान की मध्यप्रस्तर संस्कृति, राजस्थान के मध्य प्रस्तरयुगीन मानव जीवन एवं संस्कृति, ताम्र प्रस्तर युग। राजस्थान के शैलचित्र।

इकाई – द्वितीय

गणेश्वर–जोधपुरा संस्कृति, कृष्ण लोहित मृद्पात्र संस्कृति, चित्रित धूसर मृदपात्र संस्कृति। प्राक्हड़प्पा संस्कृति, राजस्थन के पुरास्थल : कालीबंगा, आहड़, विराटनगर, नोह, नगर, रैढ़, बैराठ, रंगमहल, सावंर, नगरी।

इकाई – तृतीय

राजस्थान में अभिलेख, परम्परा, लिपि, भाषा। राजस्थान के प्रमुख अभिलेख : घोसुण्डी, घटियाला, एकलिंग, राजप्रशस्ति, हर्ष शिलालेख। राजस्थान जैन अभिलेख।

सहायक पुस्तकें :

1. वीएन मिश्रा, प्री एण्ड प्रोटो हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली।
2. कृष्णगोपाल शर्मा, अर्ली जैन इन्सिक्रिप्शन्स इन राजस्थान, जयपुर
3. अद्रिश बनर्जी, आर्कियोलॉजिकल हिस्ट्री ऑफ साउथ ईस्टर्न राजस्थान, वाराणसी, 1971
4. श्यामप्रसाद व्यास, राजस्थान के अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन, राजस्थानी ग्रन्थागार
5. विनीत गोधल, उत्तर पूर्वी राजस्थान क्षेत्र का प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक सांस्कृतिक अनुसधान, अप्रकाशित शोध ग्रन्थ जयपुर, 2011
6. आर.सी. अग्रवाल, जयपुर रीजन एक्सवेक्शन एण्ड एक्सप्लोरेशन, जयपुर, 1978
7. मोतीलाल गयंक, राजस्थान के अभिलेख, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
8. गोविन्दसिंह मीणा, उत्तर पूर्वी राजस्थान का पुरातात्विक अध्ययन लिटरेरी सर्किल, जयपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 02 : राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

सांस्कृतिक पर्यटन की अवधारणा एवं महत्त्व। राजस्थान में ऐतिहासिक–सांस्कृतिक पर्यटन – विराटनगर, भानगढ़, रणथम्भौर, हल्दीघाटी।

इकाई – द्वितीय

सांस्कृतिक केन्द्रों/संग्रहालयों की भूमिका – लोककला मंडल (उदयपुर), भट्टारकीय संग्रहालय (नागौर), जवाहर कला केन्द्र (जयपुर), अरबी–फारसी शोध संस्थान (टोंक)। ग्राम पर्यटन – अवधारणा एवं विकास।

इकाई – तृतीय

धार्मिक पर्यटन – पुष्कर, अजमेर दरगाह, सालासर,एकलिंगजी, नाथद्वारा, श्रीमहावीर जी, केसरियाजी, देशनोक, नाकोड़ा, तिजारा, करौली (केलादेवी), बेणेश्वर, सांवलियाजी, खाटूश्यामजी।

संदर्भ ग्रंथ :

1. राजेश कुमार व्यास : पर्यटन : उद्‌भव एवं विकास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. राजेश कुमार व्यास : सांस्कृतिक पर्यटन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. शालिनी सक्सेना : राजस्थान के लोक तीर्थ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आर.टी.डी.सी.) द्वारा प्रकाशित पुस्तिकाएँ।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 03 : साहित्य शास्त्र

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे　　　　पूर्णांक : 100　　　　क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

साहित्य की परिभाषा, भेद, साहित्य के तत्व, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई – द्वितीय

भारतीय काव्यशास्त्र : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी काव्यशास्त्र : राजस्थानी छन्दशास्त्र की सामान्य विशेषताएं, प्रमुख छन्द, प्रमुख अलंकार, काव्य–दोष; पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप एवं सिद्धान्त।

सहायक पुस्तकें :

1. रामचन्द्र शुक्ल : रस मीमांसा
2. बलदेव उपध्याय : भारतीय साहित्यशास्त्र
3. डॉ. रामप्रकाश : समीक्षा–सिद्धान्त, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4. डॉ. ओमानन्द सारस्वत : दोहा–शब्द और व्याप्ति, चिन्ता प्रकाशन, पिलानी
5. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी : साहित्य के प्रमुख सिद्धान्त
6. डॉ. नगेन्द्र : रस सिद्धान्त
7. डॉ. भोलाशंकर व्यास : ध्वनि सम्प्रदाय और उसके सिद्धान्त, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
8. डॉ. सत्येन्द्र : पांडुलिपि विज्ञान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 04 : राजस्थानी प्रकृति काव्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे   पूर्णांक : 100   क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथन प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओ (शब्द सीमा : 150 शब्द 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पॉच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

बादळी – चन्द्रसिंह (प्रारंभिक 30 छंद)

इकाई – द्वितीय

रूंख सतसई – लक्ष्मणदान कविया (प्रारंभिक 30 छंद)

इकाई – तृतीय

लू – चन्द्रसिंह (प्रारंभिक 30 छंद)

सहायक पुस्तकें :

1. बादळी, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
2. रूंख सतसई, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
3. लू, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 05 : राजस्थानी नाटक एवं रंगमंच

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे   पूर्णांक : 100   क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे। सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा 50 शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20x3 = 60) होंगे इनमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थानी नाटक और रंगमंच, प्रमुख प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार।

इकाई – द्वितीय

तास रो घर – यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र।

इकाई – तृतीय

धरमजुद्ध – अर्जुनदेव चारण।

पाठ्य पुस्तकें :

1. धरमजुद्ध, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
2. तास रो घर, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR